कुल पृष्ठ संख्या–32 (कवर पेज सहित) क्रम संख्या....

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान, अजमेर

उच्च माध्यमिक परीक्षा

(परीक्षार्थी द्वारा स्वयं भरा जाना चाहिये)

Candidate's Roll No. In English

(In Figures)

(In Words) ----

परीक्षार्थी का नामांक हिन्दी में

शब्दों में ----

नोट :– परीक्षार्थी उपरोक्त के अतिरिक्त उत्तर पुस्तिका के अन्य किसी भी भाग में अपना नामांक नहीं लिखें।

माध्यम – हिन्दी ☐ अंग्रेजी ☐

विषय ...इतिहास...

परीक्षा का दिन ...शुक्रवार...

दिनांक ...15-03-2019...

नोट :– परीक्षार्थी के लिए आवश्यक निर्देश इस पृष्ठ के पिछले भाग पर उल्लेखित हैं। जिन्हें सावधानी पूर्वक पढ़ लें व पालना अवश्य करें।

परीक्षक हेतु निर्देश :– (1) परीक्षक को उपरोक्त सारणी अनुसार प्राप्तांक भरना अनिवार्य हैं, अन्यथा नियमानुसार दंडित किया जायेगा।

(2) परीक्षक उत्तर पुस्तिका के अन्दर के पृष्ठों के बायीं ओर निर्धारित कॉलम में लाल इंक से अंक प्रदत्त करें।

(3) कुल योग भिन्न में प्राप्त होने पर उसे पूर्णांक में ही परिवर्तित कर अंकित करें (उदारणार्थ : 15 ¼ को 16, 17 ½ को 18, 19 ¾ को 20)

प्रश्नवार प्राप्तांकों की सारणी
(परीक्षक के उपयोग हेतु)

प्रश्नों की क्रम संख्या	प्राप्तांक	प्रश्नों की क्रम संख्या	प्राप्तांक
1		19	
2		20	
3		21	
4		22	
5		23	
6		24	
7		25	
8		26	
9		27	
10		28	
11		29	
12		30	
13		31	
14		योग	
15		प्राप्त अंकों का कुल योग (Round off)	
16		अंकों में	शब्दों में
17			
18			

परीक्षक के हस्ताक्षर .... संकेतांक

प्रमाणित किया जाता है कि इस उत्तर पुस्तिका के निर्माण में 58 जी.एस.एम. क्रीमवोव कागज ही उपयोग में लिया गया है। 165/2019

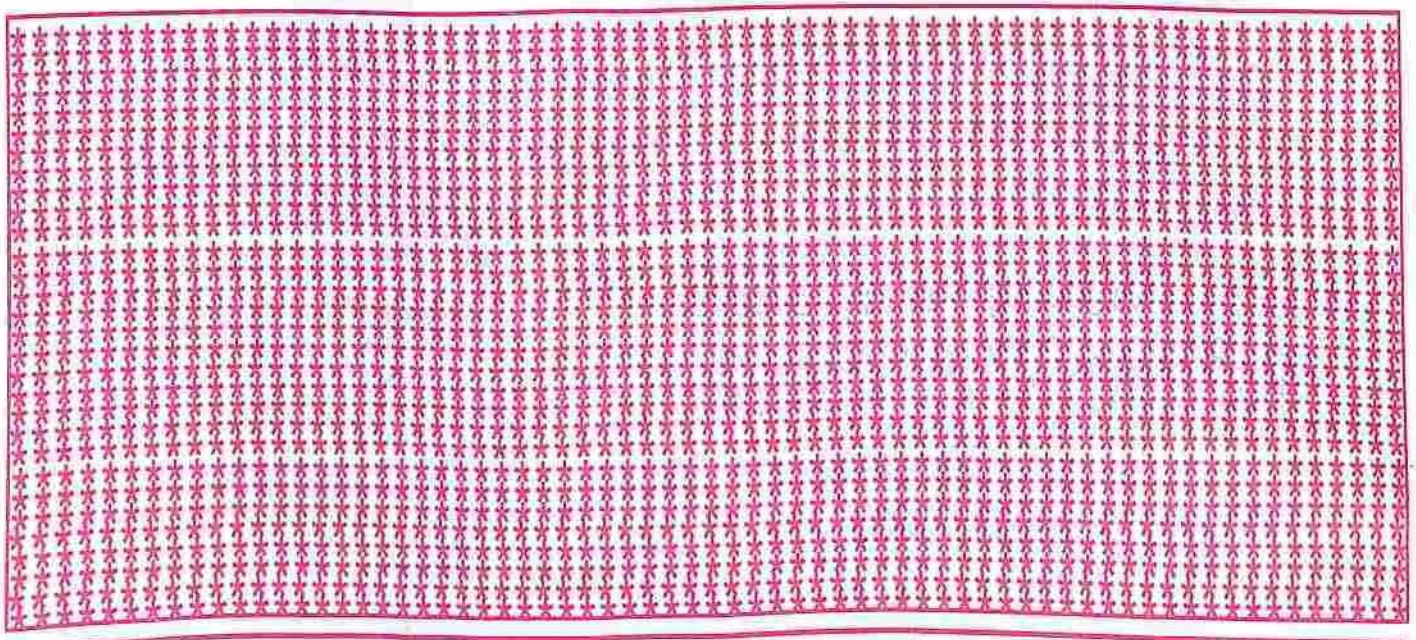

परीक्षार्थियों के लिए आवश्यक निर्देश

1. समस्त प्रश्नों का हल निर्धारित शब्द सीमा में इसी उत्तर पुस्तिका में करना है। विशेष परिस्थिति में अतिरिक्त उत्तर पुस्तिका पृथक से उत्तर पुस्तिका भरी हुई होने पर पर्यवेक्षक एवं वीक्षक की अनुशषां पर ही उपलब्ध कराई जायेगी।
2. प्रश्न–पत्र पर निर्धारित स्थान पर अपना नामांक लिखें।
3. प्रश्न–पत्र हल करने के पश्चात् जिस पृष्ठ पर हल समाप्त होता है, उस पर अन्त में "समाप्त" लिखकर अन्त के सभी रिक्त पृष्ठों को तिरछी लाईन से काटें।
4. निम्न बातों का विशेष ध्यान रखें अन्यथा अनुचित साधनों की रोकथाम अधिनियम के तहत कार्यवाही की जा सकेगी।
   (i) उत्तर पुस्तिका के ऊपर/अन्दर तथा प्रश्नोत्तर के किसी भी भाग में चाही गई सूचना के अलावा अपना नामांक, नाम, पता, फोन नम्बर अथवा पहचान की कोई अन्य प्रकार की सूचना आदि अंकित नहीं करें अन्यथा "अनुचित साधनों के प्रयोग" के अन्तर्गत कार्यवाही की जावेगी।
   (ii) उत्तर पुस्तिका के पृष्ठों को फाड़ें नहीं। उत्तर–पुस्तिका के मुख पृष्ठ पर अंकित संख्या के अनुसार पृष्ठ पूरे होने चाहिये। परीक्षार्थी उत्तरपुस्तिका प्राप्त करते ही पृष्ठ संख्या की जांच कर लें यदि पृष्ठ कम/अधिक या क्रम में नहीं हैं तो वीक्षक से तुरन्त बदलवा लें।
   (iii) परीक्षा केन्द्रों पर पुस्तक, लेख, कागज, केलक्यूलेटर, मोबाईल, पेजर आदि किसी भी प्रकार का इलेक्ट्रोनिक उपकरण तथा किसी भी प्रकार का हथियार आदि ले जाना निषेध हैं।
   (iv) वस्त्र, स्केल, ज्योमेट्री बॉक्स पर कुछ न लिखकर लावें। टेबुल के आस–पास कोई अवैध सामग्री नहीं होनी चाहिये, इसकी जांच कर लें।
   (v) अपनी उत्तर पुस्तिका/ग्राफ/मानचित्र आदि परीक्षा भवन से बाहर ले जाना दण्डनीय अपराध है, अतः परीक्षा समाप्ति पर उत्तर पुस्तिका वीक्षक को बिना सौंपे परीक्षा कक्ष नहीं छोड़ें।
5. उत्तरों को क्रमानुसार एक ही स्थान पर लिखें। प्रश्न क्रमांक भी सही अंकित करें, अन्यथा दण्ड स्वरूप परीक्षक को 1 अंक कम करने का अधिकार है। बीच में उत्तर पुस्तिका के पृष्ठ रिक्त न छोड़ें। गणित विषय के लिए रफ कार्य उत्तर पुस्तिका के अंतिम पृष्ठों पर करें तथा तिरछी रेखा से काटें।
6. जहाँ तक हो सके प्रश्न के सभी भाग के उत्तर, उत्तर पुस्तिका में एक ही स्थान पर अंकित करें।
7. भाषा विषयों को छोड़कर शेष सभी विषयों के प्रश्न–पत्र हिन्दी–अंग्रेजी दोनों भाषा में मुद्रित है। किसी भी प्रकार की त्रुटि/अन्तर/विरोधाभास होने पर हिन्दी भाषा के प्रश्न को ही सही माना जाये।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

उत्तर (1) ऋग्वेद में 10 मण्डल हैं।

उत्तर (2) 'हर्षचरित' के रचयिता बाणभट्ट थे।

उत्तर (3) विक्रम संवत की शुरूआत 57 ई. पू. में हुई।

उत्तर (7) पृथ्वीराज चौहान का राजकवि "चन्दरबरदाई" था।

उत्तर (8) शिवाजी का जन्म 'शिवनेर' के पहाड़ी किले में हुआ।

उत्तर (9) खानवा विजय के बाद बाबर ने "गाजी" की उपाधि धारण की।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

उत्तर (10) अनेक देवी-देवताओ की प्रतिमाएँ उत्कीर्ण होने के कारण विजय स्तम्भ को "भारतीय मूर्तिकला का विश्वकोष" कहा जाता है।

उत्तर (12) पुराणो की संख्या 18 है एवं सबसे प्राचीन मत्स्य पुराण है।

उत्तर (13)

रचनाए		रचनाकार
(i) इंडिका	——	(घ) मेगस्थनीज
(ii) मृच्छकटिकम	——	(ग) शूद्रक
(iii) पंचतंत्र	——	(ख) विष्णुशर्मा
(iv) राज तरंगिणी	——	(क) कल्हण

उत्तर (17) बालगंगाधर तिलक द्वारा प्रकाशित दो समाचार पत्र निम्न प्रकार से है -
(i) मराठा (अंग्रेजी साप्ताहिक)
(ii) केसरी (मराठी साप्ताहिक)

परीक्षक द्वारा दत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

उत्तर (6) भारत में 1857 की क्रांति का तात्कालिक कारण - सन 1856 ई. में भारतीय ब्रिटिश सरकार ने सेना को नई एनफिल्ड्स राइफल्स देने का निश्चय किया। इन राइफल्स के कारतूस को मुंह से काटना पड़ता था। जनवरी 1857 में भारतीय सैनिकों में यह बात फैल गई की इन कारतूसो मे गऊ एवं सूअर की चर्बी का प्रयोग होता है। गाय भारतीयों के लिए पवित्र थी एवं मुस्लमानो के लिए सूअर निषिद्ध था। अपना धर्म भ्रष्ट होने के कारण सैनिकों ने इनका प्रयोग करने से मना कर दिया एवं विद्रोह करने के लिए उतारू हो गए।

उत्तर (11) वेदांग साहित्य - वेदो का सरल अध्ययन करने के लिए वेदांग साहित्य की रचना की गई। इसके छः प्रकार है -

(i) शिक्षा
(ii) कल्प
(iii) व्याकरण
(iv) निरुक्त
(v) छंद
(vi) ज्योतिष।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

उत्तर (18) बिजोलिया किसान आंदोलन के दो नेता निम्न प्रकार से है -
(i) साधु सिताराम दास
(ii) विजय सिंह पथिक ।

उत्तर (19) मुगलों द्वारा प्रताप की सेना का पीछा न करने के दो कारण -
(i) ~~मई~~ जून महीने की झुलसाने वाली गर्मी ।
(ii) पहाड़ी क्षेत्र मे प्रताप के सैनिकों का घात लगाए हुए बैठे होने का डर ।

उत्तर (20) प्रयाग मोक्ष परिषद - प्रयाग मोक्ष परिषद का आयोजन 643 ई. मे राजा हर्ष ने किया। इसमे राजा एव हर्ष के राजसी मित्रो ने भाग लिया। यह सभा रेत पर की गई थी जहा गगा और यमुना मिलती है। इस सभा मे 5,00,000 से अधिक लोगो ने भाग लिया। इस सभा मे सोने की सौ फूट ऊँची बुद्ध की मूर्ति की स्थापना की गई एव राजा हर्ष ने उस पर हीरा-मोती एव सोने चाँदी चढ़ाए। वैसी ही मूर्ति पर थोड़ी छोटी रोजाना जुलूस मे उठायी जाती थी। राजा हर्ष स्वयं छतर उठाता था।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

इस सभा में बौद्ध भिक्षुओं, ब्राह्मणों एवं जैन भिक्षुओं को दान दिया गया। एक बौद्ध से आने वाले भिक्षुओं को कई दिनों तक दान दिया गया। यह सब 75 दिनों में संपन्न हुआ। इस मोक्ष परिषद का मुख्य उद्देश्य बौद्ध धर्म को प्रोत्साहन देना था।

उत्तर (ग) "कनिष्क बौद्ध धर्म का महान संरक्षक" कनिष्क बौद्ध धर्म का महान संरक्षक था। कनिष्क के शासनकाल में बौद्ध धर्म अपने चरमोत्कर्ष पर था। इसने बौद्ध धर्म के प्रचार-प्रसार के लिए विदेशों में अपने राजदूत भेजे। इसके शासनकाल में चतुर्थ बौद्ध संगीति का आयोजन हुआ। जो कश्मीर के कुण्डलवन में हुई जिसके अध्यक्ष वसुमित्र और उपाध्यक्ष अश्वघोष थे। इसी के शासनकाल में बौद्ध धर्म दो भागों हीनयान और महायान में बँट गया। कनिष्क ने बौद्ध धर्म को प्रोत्साहन देने के लिए महायान शाखा को अपना राजधर्म घोषित किया। इस प्रकार कनिष्क बौद्ध धर्म का महान संरक्षक था।
अतः बौद्ध धर्म का महान संरक्षक होने के कारण कनिष्क को दूसरा अशोक कहा जाता है।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

उत्तर (१५) अलाउद्दीन खिलजी के रणथंभौर आक्रमण के कारण – अलाउद्दीन खिलजी के रणथंभौर पर आक्रमण के चार कारण निम्न प्रकार से है –

(i) अलाउद्दीन खिलजी की साम्राज्यवादी महत्वकांक्षा –

अलाउद्दीन खिलजी सिकंदर की तरह पूरे विश्व को जीतना चाहता था। इसका प्रमाण उसकी "सिकन्दर सानी" की उपाधि से मिलता है। इस कारण अलाउद्दीन खिलजी ने रणथम्भौर पर आक्रमण किया।

(ii) सामरिक दृष्टि से रणथंभौर का महत्व –

रणथम्भौर दिल्ली के निकट था इस कारण उसका सामरिक महत्व था। एवं अलाउद्दीन राजपूतो की बढ़ती हुई शक्ति को समाप्त करना चाहता था।

(iii) अपने चाचा की हार का बदला लेना –

अलाउद्दीन खिलजी अपने चाचा जलालुद्दिन खिलजी खिलजी की हार का बदला लेना चाहता था। इस कारण उसने रणथंभौर पर आक्रमण किया।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

(iv) राजा हम्मीर द्वारा अलाउद्दीन खिलजी के विद्रोहियों को शरण देना — रणथंभौर के शासक हम्मीर द्वारा अलाउद्दीन के विद्रोही मीर मुहम्मद और केहब्रु को शरण देना भी आक्रमण का मुख्य कारण था। इसकी जानकारी नयनचन्द्र सूरी द्वारा रचित हम्मीर से मिलती है।

उत्तर (2) बक्सर युद्ध की विजय ने ईस्ट इंडिया कंपनी को अखिल भारतीय शक्ति बना दिया। क्योंकि –

(i) ~~कंपनी~~ बंगाल पर कंपनी का प्रभुत्व स्थापित होना

बक्सर के युद्ध के पश्चात बंगाल का नियंत्रण अब सीधा कंपनी के हाथों में आ गया। अब पूरे बंगाल पर कंपनी आधीपत्य हो गया एव सारे फैसले अंग्रेजों के हाथों मे आ गए।

(ii) अवध पर कंपनी का प्रभुत्व स्थापित होना

बक्सर के युद्ध से संपूर्ण अवध पर कंपनी का अधिकार हो गया। एव शुजाउद्दौला अब कंपनी पर आश्रित हो गया।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

(iii) मुगल सम्राट पर आधिपत्य स्थापित होना -

बक्सर के युद्ध के बाद, मुगल सम्राट शाह आलम द्वितीय कंपनी का पेंशनर बन गया। एवं दिल्ली पर कंपनी का नियंत्रण हो गया।

(iv) संपूर्ण भारत पर प्रभाव - बक्सर के युद्ध के बाद कंपनी ~~का~~ संपूर्ण भारत पर दावा करने लगी एवं अब कंपनी बंगाल से निकलकर दिल्ली पहुँच गई

अत: इसलिए ~~के. के. दत्त~~ वी. ए. स्मिथ ने कहा कि बक्सर का युद्ध अधिक निर्णायक रहा।

उत्तर (23) ~~बक्सर का युद्ध~~ 1779 की संधि अंग्रेजो और मराठो के मध्य हुई यह अंग्रेजो के लिए अपमानजनक थी क्योंकि -

(i) इस संधि के अनुसार मराठा के सारे प्रदेश लौटा दिये गए।

(ii) अंग्रेजो ने हर्जाने के रूप में 41000 रुपये मराठा को देने पड़े।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

(iii) इस संधि के अनुसार अंग्रेजो ने मराठा के पास अपने दो अधिकारी स्टीवर्ट एव फारमर को रखना स्वीकार किया।

(iv) मराठाओं के विजीत क्षेत्र पुन: मराठाओ को लोटा दिए गए।

अत: इसलिए "वरिन हस्टिंग्स ने कहा कि मैं बड़गाँव की संधि की शर्ते सुनकर शर्म मे डूब गया।"

उत्तर (27) राजस्थान में राजनीतिक चेतना के प्रसार में समाचार पत्रों व साहित्य का योगदान - राजस्थान मे राजनीतिक प्रसार के लिए समाचार पत्रों वह साहित्य का योगदान ~~निम्न रोके~~ महत्वपूर्ण है। राजस्थान गजट 1885, राजस्थान केसरी, नवीन राजस्थान, नवज्योति, ~~[illegible]~~ प्रताप नामक समाचार पत्रो ने अपनी भूमिका ~~अदा~~ अदा की।

साहित्य के क्षेत्र मे केसरी सिंह बारहठ की चेतावनी रा चूंगट्या। हीरालाल शास्त्री की कविताएं एव सूर्यमल्ल मिश्रण की वीर सतसई ने राजस्थान मे राजनीतिक प्रसार मे महत्वपूर्ण भूमिका अदा की।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

उत्तर (25) स्वामी विवेकानंद का राष्ट्रीय दृष्टीकोण वर्तमान सन्दर्भ मे भी प्रासंगिक है। क्योंकि-

(i) स्वामी विवेकानन्द ने भारतीय युवाओं मे आत्मसम्मान और आत्मगौरव की भावनाओं का संचार किया और कहा "उठो, जागो और तब तक विश्राम मत करो जब तक तुम्हें मंजिल प्राप्त न हो जाए।

(ii) स्वामी विवेकानन्द ने कहा कि देश मे भूखे मर रहे लोगों के लिए मैं उन व्यक्तियों को मूर्ख मानता हूं जो ~~उनकी~~ उनके धन से शिक्षा प्राप्त कर रहे है।

(iii) स्वामी विवेकानन्द पश्चिम के ~~अंधा~~ अन्धानुकरण के विरोधी थे। क्योंकि पश्चिमी सभ्यता लोगों के लिए नश्वर है।

(iv) स्वामी विवेकानन्द भारत की गरीबी और ~~पतनोन्मुख~~ पतन से दु:खी थे। वो मनुष्य की आध्यात्मिक उन्नती करना चाहते है।

इस प्रकार विवेकानन्द का राष्ट्रीय दृष्टिकोण आज भी प्रासंगिक है, उन्होंने खेतड़ी के महाराजा को लिखा हर कार्य को तीन अवस्थाओं से गुजरना पड़ता - उपहास,

Sl.No. : 009692

नामांक Roll No.

2	9	1	3	1	5	9

SS–13–Hist.

उच्च माध्यमिक परीक्षा, 2019

SENIOR SECONDARY EXAMINATION, 2019

HISTORY

इतिहास

उत्तर 30

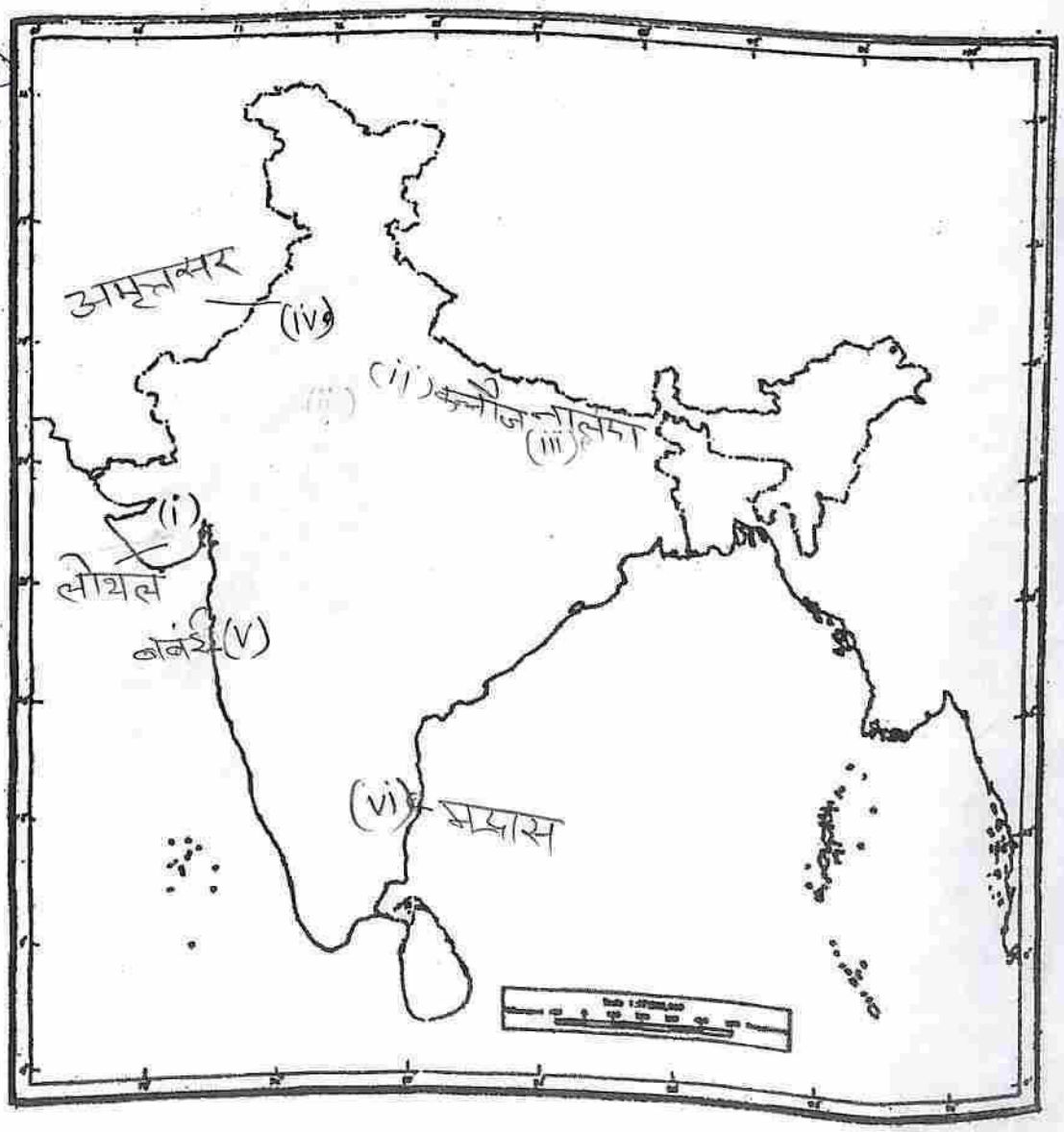

शिक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

विरोध और स्वीकृति " जो व्यक्ति समय से आगे विचार करता है उसका विरोध अवश्य किया जाता है।

उत्तर (17) सिन्धु सभ्यता मे आंतरिक और विदेशी व्यापार दोनो ही उन्नत थे। आंतरिक व्यापार की जानकारी वहाँ से प्राप्त मृद्भाण्ड, मृ० ~~अ~~ मूर्तियाँ, गंडासे, मछली पकड़ने के कांटे आदि से जानकारी मिलती है कि वहां कुम्हारो द्वारो व्यापार किया जाता था। मोहनजोदड़ो से प्राप्त कांस्य की मूर्ति से पता चलता है कि वहाँ कांस्य की वस्तुओ की बिक्री होती थी। वहा से प्राप्त मोहरे एव मुद्राओ से वहाँ उन्नत व्यापार की जानकारी मिलती है। सिन्धु सभ्यता से लगभग 2500 मुहरे मिली है जो वहा उन्नत व्यापार की जानकारी देते है।
विदेशी व्यापार मे सिन्धु सभ्यता के ~~मेसोपोट~~ मेसोपोटामिया के साथ संबंध थे। इस सभ्यता के मेसोपोटामिया के साथ व्यापारिक संबंध थे। ~~मेसोप~~ मेसोपोटामिया मे मिली सिन्धु सरस्वती की मोहरे इसके प्रमाण है। इस प्रकार ~~सिन्धु~~ सिन्धु सभ्यता के आंतरिक और विदेशी व्यापार उन्नत थे।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

उत्तर (4) "मिलिन्द पन्हो" व "पाली" भाषा में लिखी गई।

उत्तर (5) गांधार कला भारतीय एवं यूनानी कला का मिश्रण है इसलिए इसे ग्रीको बुद्धिष्ट कहा जाता है।

उत्तर (6) चतुर्थ बौद्ध संगीति का मूल उद्देश्य बौद्ध धर्म को प्रोत्साहन एवं बढ़ावा देना था।

उत्तर (14) रुद्रदामन ने संस्कृत भाषा को बढ़ावा देने के लिए जूनागढ़ अभिलेख को संस्कृत में लिखवाया एवं जूनागढ़ अभिलेख के माध्यम से प्रजावत्सल कार्य किए। इसके शासनकाल में संस्कृत अपने चरमोत्कर्ष पर था। उसने अपने शासन काल में संस्कृत विद्वानों विद्वानों को संरक्षण दिया गया। एवं कई संस्कृत ग्रंथों की रचना हुई।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

उत्तर (26) सीकर किसान आन्दोलन के कारण – सीकर आंदोलन के प्रमुख कारण निम्न प्रकार से है –

(i) जमींदारो की आर्थिक शोषण की नीति –

जमींदारो द्वारा किसानो से कई प्रकार की लागते वसूल की जाती थी। जिससे किसानो कई मुश्किले उठानी पड़ती थी जिस कारण से यह आंदोलन हुआ।

(ii) किसानो की दयनीय स्थिति – किसानो के साथ मारपीट की जाती थी उनसे जबरन कर की वसूली की जाती थी जिससे इनकी स्थिति दयनीय हो गई।

(iii) करो की अधिकता – किसानो से कई प्रकार की लागते वसूल की जाती थी जिससे वो कर्ज मे डूब गए।

(iv) महिलाओं के साथ दुर्व्यवहार – महिलाओं के साथ दुर्व्यवहार किया जाता था। इसकी लिए किशोरी देवी की अध्यक्षता 1925 मे एक

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

बनाई गई। जिससे महिलाओ के साथ हो रहे उत्पीड़न को रोका जा सके।

इस प्रकार निम्न परिस्थियो मे बीकर किसान आन्दोलन हुआ।

उत्तर (28) अशोक का धम्म - विभिन्न वर्गो एवं सांस्कृतिक गतिविधियों को एक सूत्र मे बांधने एवं प्रजा के कल्याण के लिए अशोक ने जिन आचारो की सहिता प्रस्तुत की उसे अभिलेखो मे धम्म कहा गया। धम्म के बुनियादी सिद्धांत निम्न प्रकार से है-

(i) सहिष्णुता - अशोक के धम्म के बुनियादी सिद्धांतो में सर्वाधिक बल सहिष्णुता पर दिया। इसमे दो प्रकार की सहिष्णुता का उल्लेख है प्रथम स्वयं की सहिष्णुता एव द्वितीय आचारो और विचारो की स्वतंत्रता। इसका उल्लेख अशोक ने अपने 7 और 11वे शिलालेख एव दूसरे लघु शिलालेख मे किया था।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

(ii) अहिंसा - अशोक ने अहिंसा पर महत्वपूर्ण बल दिया उसने युद्ध की नीति को त्यागकर दिया। एवं किसी भी प्राणी को सताना छोड़ दिया। इसका उल्लेख दूसरे एवं 11वें शिलालेख एवं पाँचवें स्तम्भ लेख में किया गया है।

(iii) आडम्बहीनता - अशोक ने 9वें शिलालेख में आडम्बरों का विरोध किया एवं प्रथम स्तम्भ लेख में धम्म की प्राप्ति के लिए धार्मिक अनुष्ठान, धर्म यात्रा आदि करने की सलाह दी।

(iv) लोककल्याण - अशोक ने लोककल्याण के बारे में अपने 13वें शिलालेख में लिखा। उसने प्रजावत्सल कार्य किए। सराय, कुएँ एवं बावड़ी आदि का निर्माण करवाया।

(v) श्रेष्ठ पवित्र नैतिकता - अशोक ने दूसरे स्तम्भ लेख में इसकी परिभाषा देते हुए कहा है कि "बहुकयाने अपासिनवे, दया दाने, सचे सोचये मादवे साधवे च" अर्थात सभी के प्रति अच्छा व्यवहार, सभी पर दया करे दान करे एवं सच बोले एवं पवित्रता का अवलम्बन करे। तीसरे स्तम्भ लेख परिभाषा देते हुए कहा कि

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

बाह्य आडम्बरों, कर्मकाण्डों आदि का त्याग करें एवं श्रेष्ठ पवित्र नैतिकता का अवलम्बन करें।

धम्म की क्रियान्विति - अशोक ने धम्म की क्रियान्विति के लिए निम्न प्रयास किए,

(i) युद्ध की नीति का त्याग करना - अशोक ने धम्म की नीति स्थापित करने के लिए युद्ध नीति का त्याग कर दिया।

(ii) धम्म आयोग भेजना - अशोक ने धम्म की नियुक्ति के लिए धम्म आयोग भेजे एवं विदेशों से कूटनीतिक सम्बन्ध स्थापित किए।

(iii) उदार दण्ड नीति की स्थापना - अशोक ने दण्ड नीति को उदार बनाया जिससे धम्म की क्रियान्विति हो सके।

(iv) धम्म महामात्रों की नियुक्ति - अशोक ने धम्म की क्रियान्विति के लिए धम्म महामात्रों और प्रतिवेदकों की नियुक्ति की।

परीक्षक द्वारा प्राप्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

अशोक के जनकल्याणकारी कार्य - अशोक के जनकल्याण-कार्य निम्न प्रकार से है —

(i) पितृवत शासन का सिद्धांत स्थापित करना अर्थात् प्रजापालक रूप में जनता का कल्याण करना।

(ii) जनता से प्रत्यक्ष संपर्क करना एवं उनके दुःख दूर करना।

(iii) समान दण्ड संहिता की स्थापना करना

(iv) प्रजा के लिए सराय, कुएँ, बावड़ी आदि निर्माण करवाना।

(v) आर्थिक विकास पर अत्यधिक बल देना।

धम्म का मूल्यांकन - धम्म के बुनियादी सिद्धांत जिनमें सहिष्णुता, अहिंसा, लोककल्याण आदि भारतीय संस्कृति में पहले से विद्यमान तत्व है। लेकिन अशोक के बाद अशोक धम्म फलीभूत नहीं हो पाया। अशोक के उत्तराधिकारी इसे अक्षुण नहीं रख सके। लेकिन अशोक द्वारा किया गया प्रयास प्रशंसनीय है।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

उत्तर (29) (अ) बंगाल विभाजन – बंगाल विभाजन के समय ब्रिटिश वायसराय लार्ड कर्जन था। लार्ड कर्जन ने साम्प्रदायिक झगड़े उत्पन्न करने के लिए फूट डालो राज करो की नीति का अनुसरण किया। उसने बंगाल को बड़ा प्रांत बताते हुए उसका प्रशासनिक सुविधाओं के लिए बंगाल का विभाजन अनिवार्य बताया जिसके दो भाग (i) पूर्वी बंगाल एवं (ii) बंगाल। अत: भारतीय प्रतिरोध के बावजूद 16 अक्टूबर 1905 को को बंगाल का विभाजन कर दिया। इस दिन पूरे बंगाल मे "शोक दिवस" मनाया गया एवं प्रभात फेरियां निकाली गयी। ठाकुर रवीन्द्रनाथ के आह्वान पर संपूर्ण बंगाल के हिन्दू एवं मुस्लिमों ने "राखी दिवस" मनाया। अत: भारतीयों के कड़े प्रतिरोध के कारण इसको 1911 मे रद्द कर दिया गया।

(ब) सुभाष चन्द्र बोस – सुभाष चन्द्र बोस का जन्म 23 जनवरी 1897 मे कटक (उड़ीसा) मे हुआ। इनके पिता का नाम जानकीदास एवं माता का नाम प्रभावती थी। इन्होंने अपनी उच्च शिक्षा कलकत्ता से प्राप्त की थी। इन्होंने भारतीय असहयोग आंदोलन मे भाग लिया

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

जेल गए। ~~यह दो बार~~ इन्होने 1928 की नेहरू रिपोर्ट मे औपनिवेशक राज्य की मांग का विरोध किया। यह दो बार कांग्रेस के अध्यक्ष 1938 ई. हरिपुरा अधिवेशन एव 1939 ई. मे त्रिपुरी अधिवेशन मे चुने गए। इन्होने मई 1939 फारवर्ड ब्लाक की स्थापना की। एव यह ~~काब~~ रासबिहारी बोस ~~की~~ के निमंत्रण पर जापान गए एव आजाद हिन्द फौज का गठन किया। इन्होने जापान मे भारतीय अस्थायी सरकार की स्थापना की एव "दिल्ली चलो" ~~का~~ एव तुम मुझे खून दो मै तुम्हे आजादी दूंगा नारे लगाए। इनकी मृत्यु वायुयान दुर्घटना मे 18 अगस्त 1945 मे जापान मे मृत्यु हो गई।

(स) <u>केबीनेट मिशन</u> – केबिनेट मिशन 1946 ई. मे ~~तीनो~~ सर स्टैफर्ड क्रिप्स, पैथिक लारेंस, एवी. अलेक्जेण्डर तीनो की अध्यक्षता मे भारत आया। इसने भारतीय संविधान की रूपरेखा तैयार की एव एक अंतरिम सरकार की ~~स्था~~ स्थापना करने पर बल दिया। गर्वनर की कार्यकारिणी को विधान परिषद के प्रति उत्तरदायी रखने की रूपरेखा रखी।

<u>समाप्त</u>

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

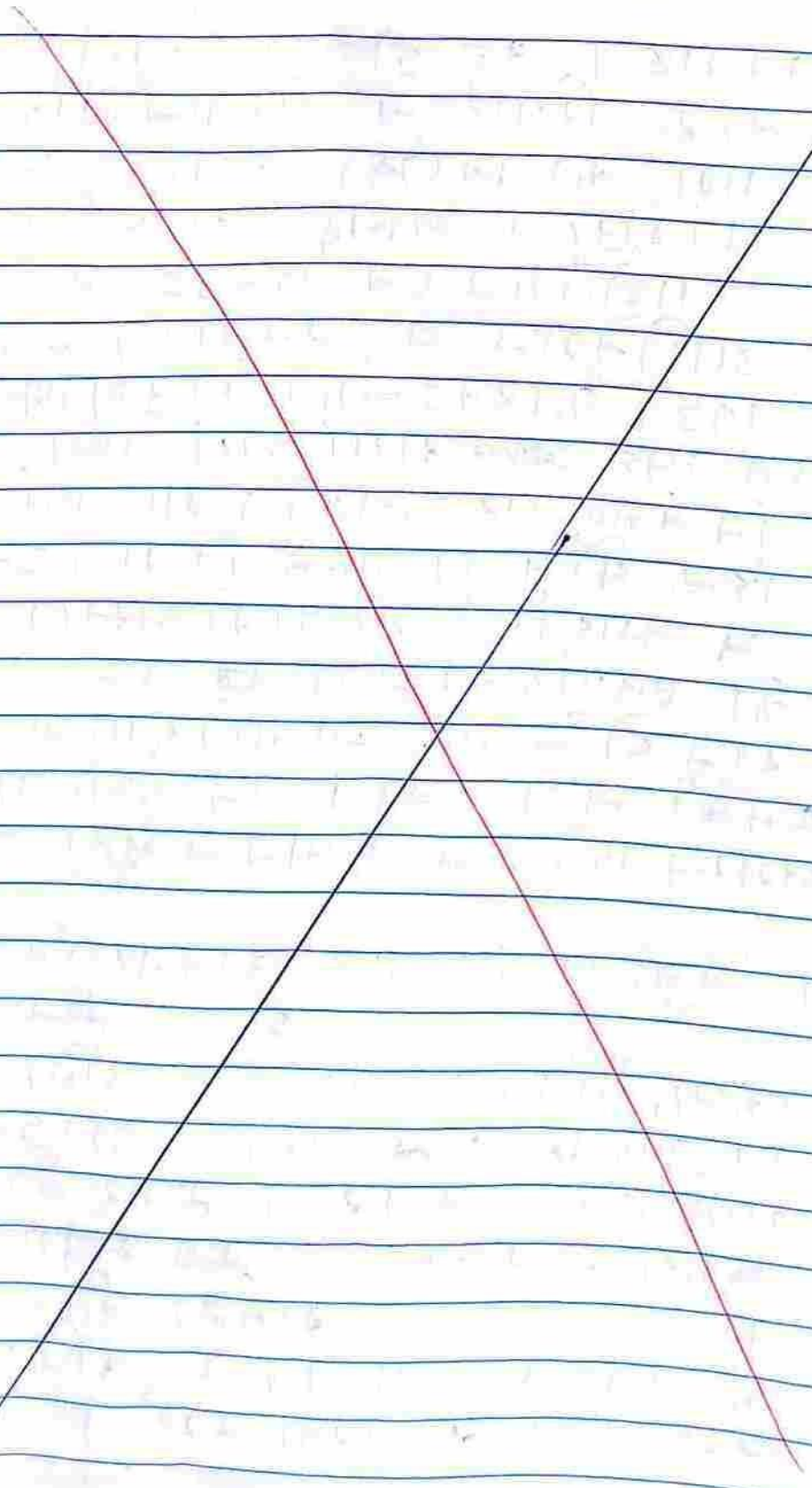

BSER-165/2019

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर